

अधिकृत भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.



परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2023

परीक्षा का नाम : अलंकार प्रथम (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : गायन तथा स्वरखात्री वादन

दि. 19/11/2023

समय : दोपहर 2 से 5

कुल अंक : 100

सूचनाएँ : (1) कुल सात प्रश्नों में से पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिये।
(कोई भी पाँच)
(2) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

- प्र.1. नीचे दिये गए पर्यायों में से सही पर्याय चुनिये। (10)
1. मतंग मुनी के गुरु का नाम क्या था?
1) आचार्य नन्दिनीकेशव 2) पं. भरत
3) शारंगदेव 4) पं. नारद
2. किस संगीत विचारक के मतानुसार संगीत और स्थापत्य में प्रभुत साम्य है?
1) शावान हार्षर 2) शेक्षणपियर 3) हीगल 4) रविंद्रनाथ
3. अद्भुत रस का रंग क्या है?
1) लाल 2) सफेद 3) हरा 4) पीला
4. रस सिद्धांत का प्रवर्तक कौन है?
1) मतंग 2) भरत 3) अहोबल 4) श्रीनिवास
5. अमान अली खाँ निम्न में से किस घराने से है?
1) अतरौली 2) जयपुर 3) भिणडी बाजार 4) दिल्ली
6. ऋग्येद में सुशिर वाद्यों का क्या नाम दिया गया है?
1) वंशी 2) नाई 3) गाज 4) भांड
7. सामग्रायन में कितने गायक होते हैं?
1) 3 2) 2 3) 5 4) 7
8. शारंगदेव ने कितनी गीतियों का उल्लेख किया है?
1) 4 2) 6 3) 3 4) 5

(1)

9. निम्नलिखित में से कौन 22 श्रुतियों में से एक है ?
 1) मधुवंती 2) विरागिनी 3) दयावती 4) रौद्रिका
10. किराना घराने के गायक सवाई गंधर्व को अन्य किस नामसे जाना जाता है ?
 1) अब्दुल रहमान 2) रामकृष्ण बुवा
 3) रामभाऊ मराठे 4) रामभाऊ कुंदगोळकर

ब) विभाग अ को विभाग ब से योग्य रूप में जोड़िये। (10)

- | | |
|--|--|
| <p>अ)</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. महबुब खाँ 2. धृवगीती 3. संगीत मकरंद 4. शिवमत 5. विलायत हुसेन खाँ 6. भरत मत 7. बंदे अली खाँ 8. चर्तुर्दंडी प्रकाशिका 9. स्वरमेल कलानिधी 10. नत्यन पीरबख्श | <p>ब)</p> <ol style="list-style-type: none"> 1) किराना घराना 2) नारद 3) 6 राग 36 रागिनियाँ 4) नाट्यशास्त्र 5) म्लालियर घराना 6) 20 मेल 7) दरस पिया 8) 6 राग 30 रागिनीयाँ 9) 72 मेल 10) प्राणपिया |
|--|--|

प्र.2. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये। (4X5=20)

1. ध्वनीशास्त्र के आधारपर आदर्श सभागृह की रचना
2. जयपुर घराना – परिचय, विशेषताएं, आधुनिक प्रतिनिधि, गायक
3. संगीत मे लय-रस संबंध
4. रामायण कालीन संगीत

प्र.3. घराने का क्या तात्पर्य है ? यह किस प्रकार से निर्माण हुआ ? (20)
 आधुनिक काल में इसका क्या भविष्य है ?

(2)

- प्र.4. निम्नलिखित ग्रंथकार विद्वानोंका योगदान तथा उनके
कालके संगीत के बारे में विस्तृत लिखिये। (20)
1. शारंगदेव 2. मतंग
- प्र.5. ख्याल, टप्पा, धमार, तराना, इन गीतप्रकार के बारे
में विस्तृत जानकारी दिजीये। (20)
- प्र.6. रस की परिभाषा देते हुअे पं. अभिनव गुप्त के अनुसार रस
के प्रकार के बारे में लिखिये। (20)
- प्र.7. स्टाफ नोटेशन के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुअे
क्या आधुनिक काल में, संगीत शिक्षा में स्टाफ नोटेशन की जरूरत,
उपयोगिता है? इस पर अपने विचार लिखे। (20)

(3)